Baba’s Praise

23/2/2015

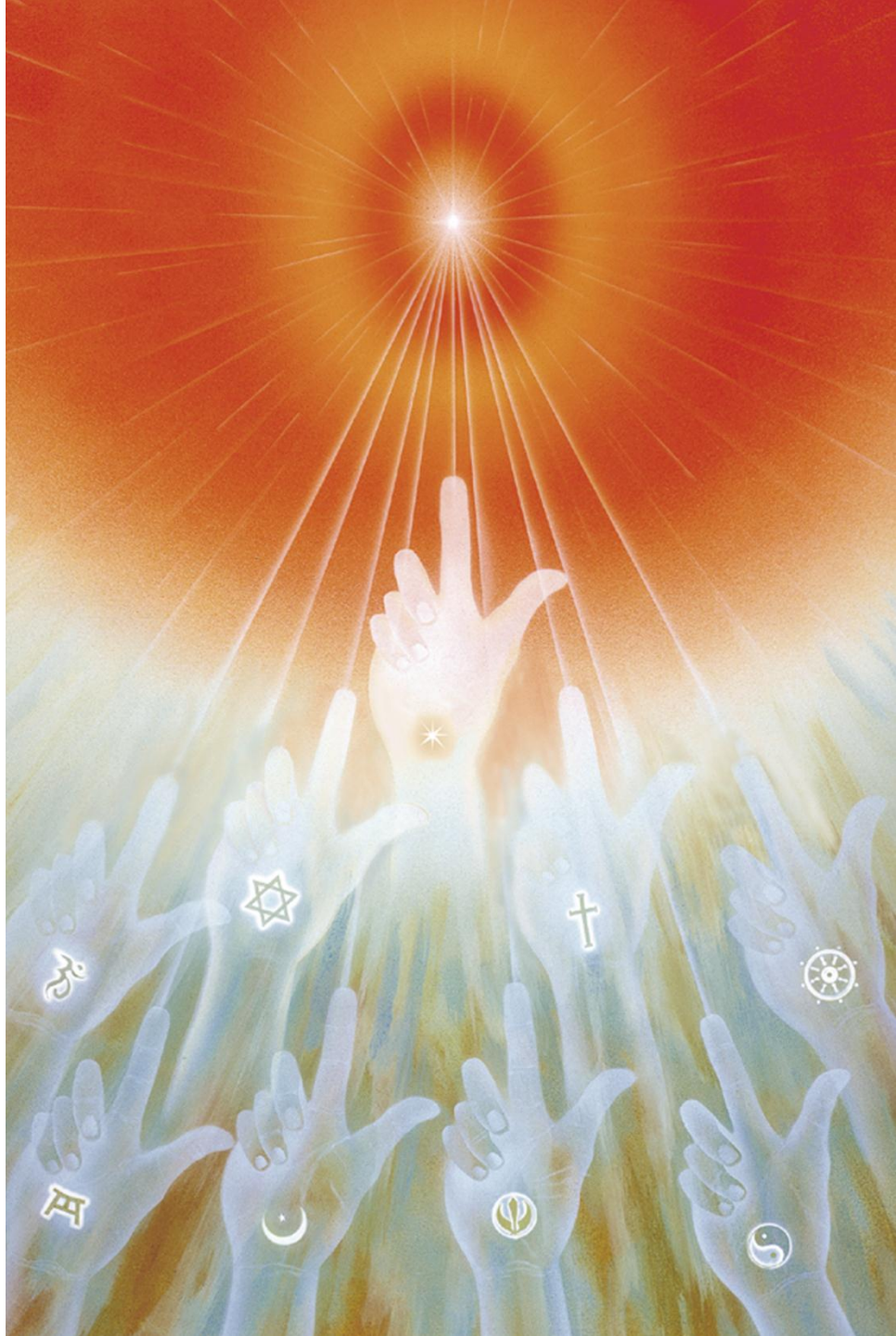

- शिवबाबा सभी **आत्माओं का बाप** है
- **सूक्ष्मवतनवासी ब्रह्मा, विष्णु, शंकर** - यह है रचना । **इन्हों का रचयिता** है शिव ।
- बाप से कहते हैं-हे **परमपिता परमात्मा** आकर हमको ले जाओ ।
- इतने सब शरीरों का विनाश कराए सब आत्माओं को साथ में ले जाना, यह तो बहुत भारी काम हुआ । यहाँ कोई एक मरता है तो 12 मास रोते रहते हैं । **बाप तो इतनी सारी ढेर आत्माओं को ले जायेंगे ।** सबके शरीर यहाँ छूट जायेंगे ।

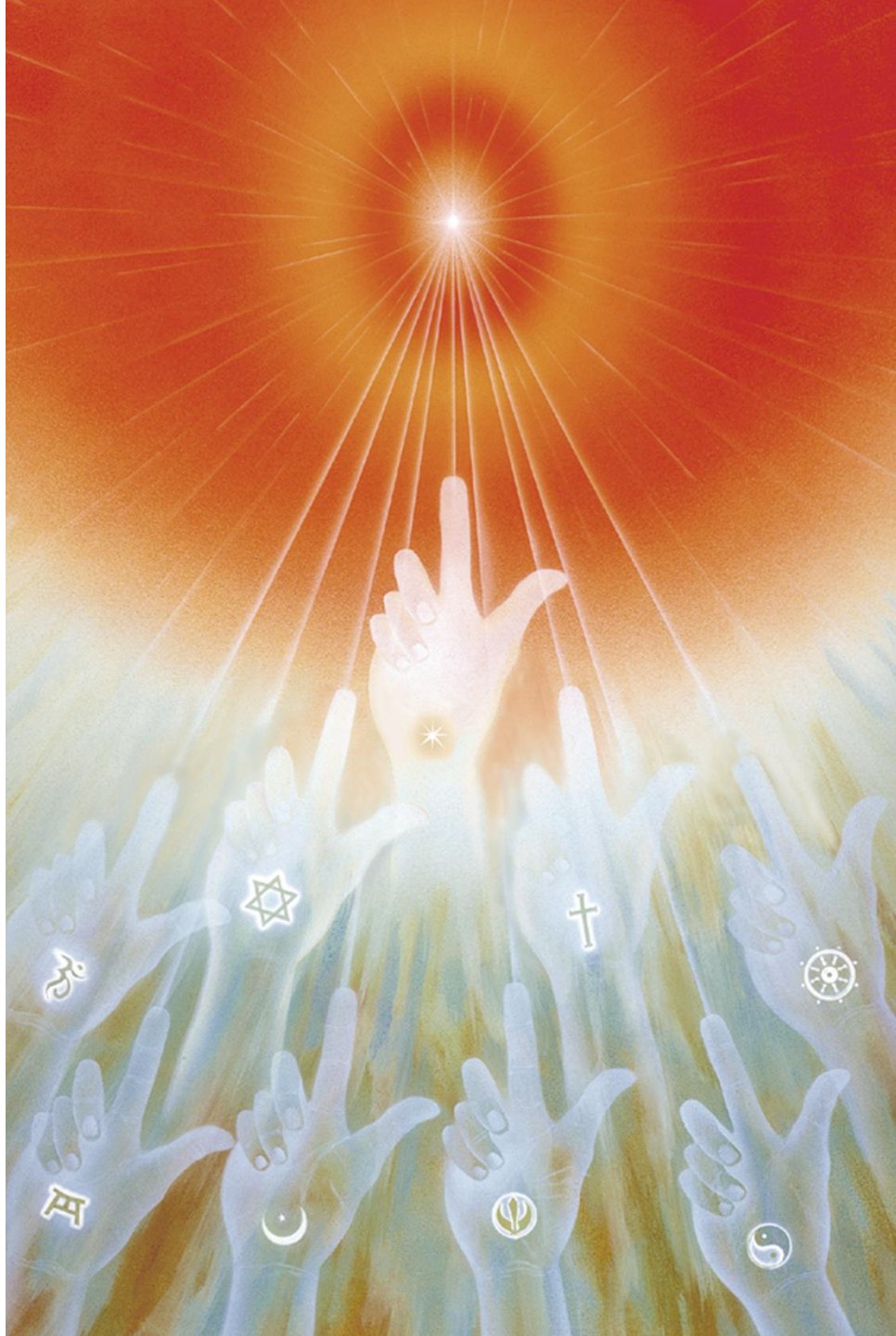

- कहते भी हैं ब्रह्मा द्वारा **स्थापना**, शंकर द्वारा **विनाश**, विष्णु द्वारा **पालना** । अच्छा, बाकी शिव का काम क्या है? **ऊंच ते ऊँच शिवबाबा** को कोई भी जानते नहीं ।
- बाप कहते हैं-सारी दुनिया दुर्गति को पाई हुई है । फिर हम ही आकर **सबको सद्गति देते** हैं ।
- अब तुम बच्चों को बेहद का बाप कहते हैं, बच्चे, मुझे **याद** करो तो तुम्हारे **विकर्म विनाश** होंगे ।
- **सतगुरू** एक बाप ही है जो **सर्व की सद्गति** करते हैं ।

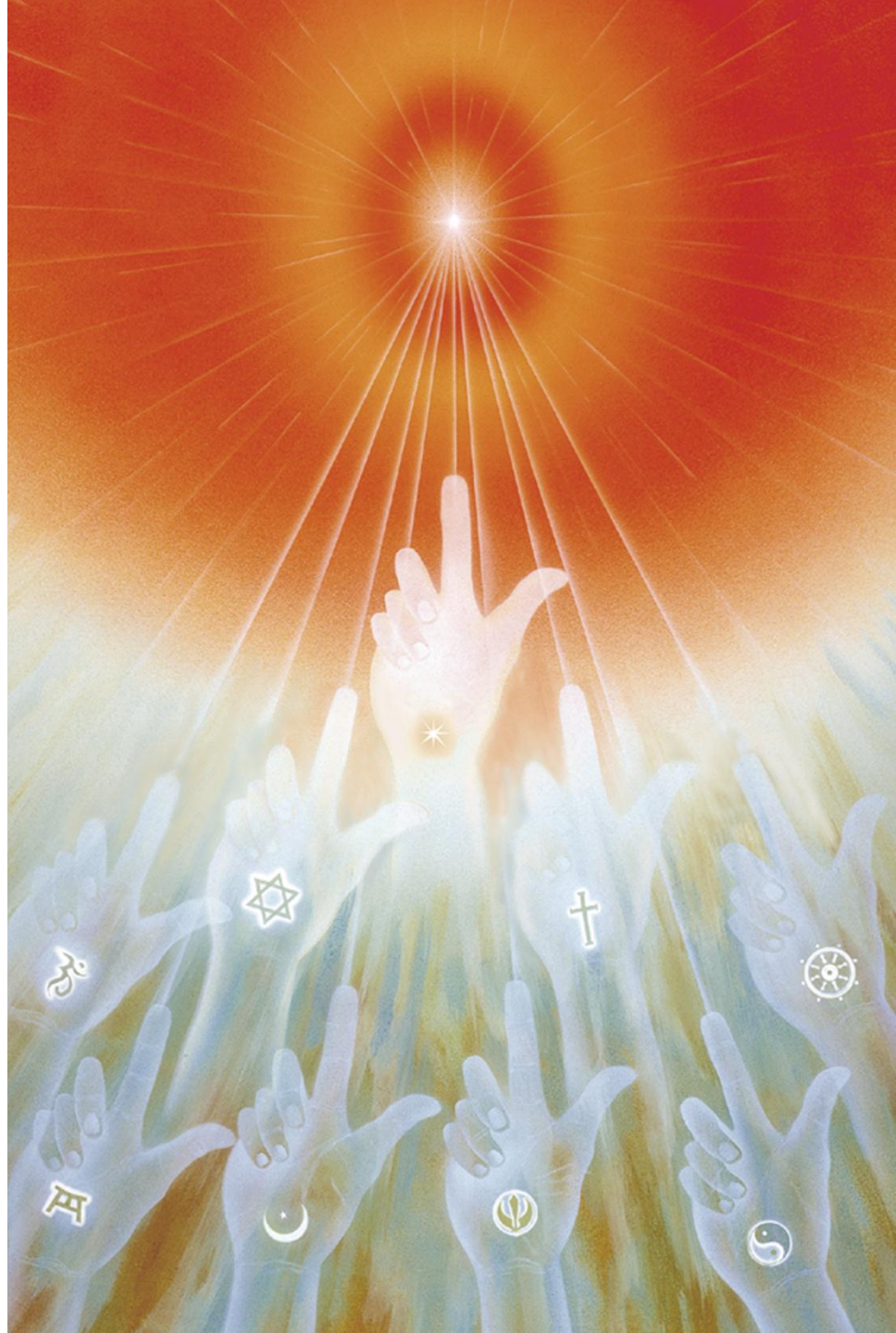

- **वर्सा तो बाप से मिलना** है । जाना भी बाप के पास है । स्टूडेंट, स्टूडेंट को थोड़ेही याद करेंगे । स्टूडेंट तो **टीचर** को याद करेंगे ना ।
- अभी तुम **बाप द्वारा** समझ रहे हो और तुम भी **नर से नारायण बनते** हो । यह है ही **सत्य नारायण की कथा** ।